सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 188 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 14 अगस्त, 2026
मूल्य ₹ 3/-

बिना गुरु के किसी को भगवान का नाम नहीं मिला है।
–गुरु गोबिंद सिंह

विदेश नीति पर राहुल गांधी के बयान... 7
महाराष्ट्र में एकबार फिर छाया आरक्षण... 3
भाजपा के पास पैसे के सिवा कुछ... 2

बच गये बादल सुलग गया पंजाब

सुरक्षाकर्मी ने बचाई जान बादल को आयी मामूली चोट

» घटनाएं अलग लेकिन सियासी मायने जुड़ते दिखायी दे रहे हैं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा और अकाली दल के बीच रिश्तों की जमी बर्फ पिघलने की अटकलों के बीच सबसे बड़ी खबर महाराष्ट्र से आ रही है जहां माता साहिब गुरूद्वारे में दर्शन करने गये पंजाब के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर निहंग के वेश में आये व्यक्ति ने कृपाण से हमला किया। हमले के बाद अफरा तफरी मच गयी। हमले के दौराना हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना से पंजाब की सियासत मे भूचाल आ गया है।

वर्ष 2027 के पंजाब विधानसभा के चुनाव की तैयारियों के बीच बदलते सियासी समीकरण और इसी दौर में सुखबीर सिंह बादल पर नांदेड़ के गुरुद्वारे में जानलेवा हमला। घटनाएं अलग अलग हैं लेकिन पंजाब की सियासत में इनके मायने एक दूसरे से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। कभी भाजपा और शिरोमणि अकाली दल पंजाब की राजनीति में एक दूसरे के सबसे भरोसेमंद सहयोगी थे। फिर रास्ते अलग हुए अब चुनावी बिसात दोबारा सज रही है तो पुराने रिश्तों की वापसी की चर्चा भी फिर उठने लगी है। ऐसे वक्त में सुखबीर बादल पर हमला होता है और दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका हालचाल लेते हैं। सवाल इसलिए बड़ा है कि क्या यह महज एक नेता के प्रति मानवीय चिंता है या पंजाब की बदलती राजनीतिक तस्वीर में इसका कोई व्यापक संदेश भी पढ़ा जा सकता है जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं लेकिन राजनीति में घटनाएं अपने पीछे सवाल छोड़ जाती हैं और कभी कभी वही सवाल आने वाले चुनाव की कहानी लिखते हैं।

महाराष्ट्र के नांदेड़ में माता साहेब गुरुद्वारा के पास एक निहंग हमलावर ने कृपाण से बादल पर किया हमला

बादल पर वार सुलग गयी पंजाब की राजनीति

नांदेड़ के गुरुद्वारे में कृपाण चली तो निशाना सुखबीर सिंह बादल थे लेकिन वार की गूंज महाराष्ट्र की सीमा पार कर सीधे पंजाब की सियासत में सुनाई दी। हमलावर सामने था खतरा बेहद करीब था और तभी सुरक्षा ड्यूटी में तैनात इंस्पेक्टर संतोष केंद्रे ने जिस तेजी से हमलावर को रोका उसने सुखबीर बादल की जान बचा ली। बादल घायल हुए हमलावर पकड़ा गया और जांच शुरू हो गई। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। क्योंकि सुखबीर बादल पर यह पहला जानलेवा हमला नहीं है। दिसंबर 24 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के बाहर भी उन पर गोली चलाने की कोशिश हुई थी। तब भी वह बच गए थे और अब नांदेड़ में एक बार फिर जान पर हमला। दो घटनाएं दो जगहें दो तरीके और बीच में पंजाब की राजनीति का वही चेहरा। यहीं से सवाल पैदा होता है कि क्या दोनों घटनाएं महज संयोग हैं? क्या इनके पीछे कोई साझा सूत्र है? या फिर अलग अलग घटनाओं को जोड़कर देखना ही जल्दबाजी होगी? इन सवालों का जवाब जांच एजेंसियां तलाशेंगी और फिलहाल किसी राजनीतिक साजिश का कोई सार्वजनिक प्रमाण सामने नहीं है। लेकिन लोकतंत्र में सवाल पूछने पर पहरा भी नहीं लगा है। खासकर तब जब निशाने पर कोई सामान्य व्यक्ति नहीं बल्कि पंजाब के एक बड़े क्षेत्रीय दल का अध्यक्ष हो और राज्य चुनावी मोड में प्रवेश कर चुका हो।

बादल की पत्नी हरसिमरत कौर ने पीएम मोदी का व्यक्त किया आभार

पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर आज हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उनका हालचाल जाना था। सुखबीर सिंह की पत्नी हरसिमरत कौर बादल ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। हरसिमरत कौर ने एक्स पर पोस्ट किया है कि प्रधानमंत्री जी मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने सरदार सुखबीर सिंह बादल जी की सेहत के बारे में जानने के लिए व्यक्तिगत रूप से फोन किया और महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक गुरुद्वारा साहिब के अंदर उन पर हुए कायराना हमले के बाद उनके जल्द ठीक होने की कामना की। इस मुश्किल समय में आपकी चिंता समर्थन और शुभकामनाएं हम सभी परिवार वालों हमारी पार्टी और पंजाब के लोगों के लिए बहुत मायने रखती है। आपके इस नेक व्यवहार से मैं बहुत प्रभावित हूं। मैं इस बात के लिए भी आपकी आभारी हूं कि आपने इस घटना का तुरंत संज्ञान लिया और केंद्रीय जांच एजेंसियों को जांच में महाराष्ट्र पुलिस के साथ तालमेल बिठाने के निर्देश दिए।

गृह मंत्री को भी शुक्रिया

एक और सोशल मीडिया पोस्ट में हरसिमरत कौर बादल ने गृह मंत्री अमित शाह का अभार व्यक्त किया। एक्स पर उन्होंने लिखा कि महाराष्ट्र के एक गुरुद्वारे में सुखबीर सिंह बादल जी पर हुए हमले के बाद उनका हाल-चाल जानने के लिए संपर्क करने पर मैं माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी का तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं उन्होंने लिखा कि इस मुश्किल समय में आपकी व्यक्तिगत चिंता और दिलासा देने वाली बातों के लिए मैं आपका आभारी हूं। इस दुखद घटना की प्रभावी जांच सुनिश्चित करने के आपके संकल्प के लिए धन्यवाद। यह घटना महान सिख धर्म के मूल सिद्धांतों का गंभीर उल्लंघन है।

[redacted] महसूस हो रही है सियासी गर्मी [redacted]

27 का पंजाब अभी दूर जरूर है लेकिन उसकी सियासी गर्मी महसूस होने लगी है। आप सत्ता बचाने की तैयारी में है। कांग्रेस वापसी की जमीन तलाश रही है। भाजपा पंजाब में अपने विस्तार की रणनीति पर काम कर रही है और शिरोमणि अकाली दल अपनी खोयी हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने की कोशिश में है। यानी मुकाबला सिर्फ सत्ता का नहीं बल्कि पंजाब में राजनीतिक जगह पर कब्जे का भी है। इसी बीच भाजपा और अकाली दल के बीच संभावित नए समीकरणों की चर्चा फिर शुरू होना और सुखबीर बादल पर दूसरा गंभीर हमला इन दोनों घटनाओं ने राजनीतिक सवालों को और धार दे दी है। क्योंकि राजनीति में सिर्फ यह मायने नहीं रखता कि घटना के पीछे मकसद क्या था। यह भी मायने रखता है कि घटना के बाद राजनीतिक मैदान में कौन मजबूत होता है किसका नैरेटिव बनता है और किसके पक्ष में सहानुभूति की लहर पैदा होती है। सुखबीर बादल पर हमला किसी राजनीतिक साजिश का परिणाम था यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन यह पूछना बिल्कुल जायज है कि अगर हमला राजनीतिक नहीं भी था तो उसका राजनीतिक असर किस पर पड़ेगा?

भाजपा के पास पैसे के सिवा कुछ नहीं बचा : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- भाजपा की पाप की कमाई है, जिसे उत्तर प्रदेश की धार्मिक महिलाएं कभी नहीं लेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा को एकबार फिर आड़े हाथों लिया है। सपा प्रमुख ने कहा है कि भाजपा के पास चुनाव जीतने के लिए पैसे के सिवा कुछ नहीं बचा है। वो भी भाजपा की पाप की कमाई है, जिसे उत्तर प्रदेश की धार्मिक महिलाएं कभी नहीं लेंगी।

उत्तर प्रदेश की जागरूक महिलाएं पूछ रही हैं जिन दूसरे राज्यों में महिलाओं को पैसे देने की घोषणा करके चुनाव जीता था, वहाँ एक तरफ तो देने से आनाकानी कर रहे हैं, दूसरी तरफ पैसे वापस माँग रहे हैं, और जो लौटा नहीं पा रही हैं, उन महिलाओं पर भाजपा थाने-कचहरी, पुलिस-मुकदमे की निंदनीय कार्रवाई कर रही है। यादव ने कहा कि देखा जाए तो आज जिस 5००० रुपये सालाना पैसे देने की बात भाजपा सरकार कर रही है वो पैसे पिछले 1० साल में भी दे सकती थी, पर दिया नहीं। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश की महिलाओं के हक-अधिकार के हजारों करोड़ रुपये अपने प्रचार पर खर्च करके सबको ठेंगा दिखा दिया।

दस साल में महिलाओं के हिस्से का 5 लाख रुपया खा गई

50 हजार रुपये हर साल के हिसाब से भाजपा की भ्रष्ट सरकार पिछले 10 साल में महिलाओं के हिस्से का 5 लाख रुपया खा गई और अब केवल 20 हजार देने का जुमला परोस रही है। 20 हजार रुपया तो 5 लाख रुपये का केवल 4 प्रतिशत हुआ, इसका मतलब ये भाजपाई महिलाओं के हक का 96 प्रतिशत डकार गये। 80-20 की बात करने वालों ने तो 96-4 करके भ्रष्टाचार का सुपर रिकॉर्ड बना दिया। यादव ने कहा कि अगर जुमले वाले 15 लाख रुपये छोड़ भी दें और भाजपा चुनाव में लड़ती दिखने के लिए 20हजार दे भी दे, तो भी जनता का भाजपा सरकार पर 4, रुपये का बकाया निकलता है। जनाक्रोश के डर से आज भाजपा के नेता, संगी-साथी, कार्यकर्ता, समर्थक, झंडे-बैनर सब डर के मारे भूमिगत हो गये हैं। यहाँ तक कि भाजपा से अब कोई टिकट भी नहीं लेना चाहता है।

भाजपा ने खरगे का नहीं पूरे दलित समाज का किया है अपमान : राय

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। कांग्रेस के अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के बाद भाजपा द्वारा मंच शुद्धिकरण करने की घटना पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा देशभर में दलितों का अपमान कर रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा का दलित विरोधी चेहरा बेनकाब हो चुका है। दलितों के अपमान का बदला हर हाल में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब शुद्धिकरण की आवश्यकता भाजपा और आरएसएस की जातिवादी राजनीति की है। मंच के शुद्धिकरण की यह घटना केवल खरगे का अपमान नहीं है बल्कि यह देश के हर दलित पर प्रहार है। यह संविधान पर प्रहार है।

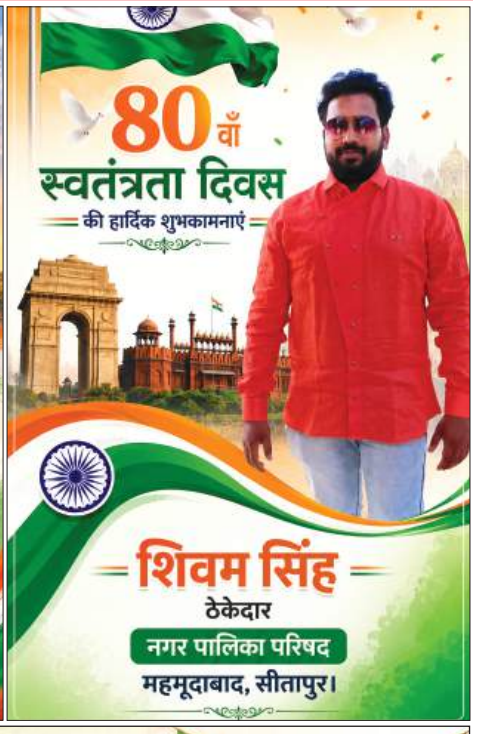

महाराष्ट्र में एकबार फिर छाया आरक्षण और मराठी का मुद्दा

मराठावाड़ा क्षेत्र में कुनबी सर्टिफिकेट रद्द होने से भड़की चिंगारी

» सीएम बोले- संविधान के आधार से ही दिया जाएगा आरक्षण

» उत्तर भारतीयों के लिए मराठी अनिवार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एकबार फिर आरक्षण व उत्तर भारतीय को मराठी बोलने का मुद्दा जोर पकड़ लिया है। इसको लेकर सियासत भी गरमाई हुइ है। इस बीच आरक्षण की मांगों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा बयान दिया है। सीएम ने कहा है कि सरकार सिर्फ संविधान के दायरे में ही रहकर फैसला लेगी। यह बयान ऐसे वक्त पर आया जब मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल सरकार से नाराज है और अंजाम भुगतने की धमकी दे रहे हैं।

राज्य में कुनबी सर्टिफिकेट रद्द होने पर यह मामला फिर से गरमाया है। मराठा आरक्षण और कुनबी सर्टिफिकेट को लेकर चल रहे बहस के बीच महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दो टूक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार संवैधानिक दायरे में रहकर आरक्षण की सभी मांगों पर सुनवाई करेगी। किसी भी समुदाय के अधिकारों में कटौती नहीं की जाएगी क्योंकि सरकार सभी के लिए न्याय चाहती है। वहीं मुंबई की सड़कों पर ऑटो-टैक्सी चलाकर अपने परिवार का पेट पालने वाले उत्तर भारतीय आजकल स्टेयरिंग छोड़ मराठी की कक्षा में बैठ रहे हैं। दरअसल, उनके लिए मराठी सीखना महज सरकारी फरमान का पालन नहीं, बल्कि पापी पेट की मजबूरी बन गई है। डर है कि अगर, उन्होंने मराठी नहीं सीखी तो 17 अगस्त से उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

बावनकुले का किया बचाव

सीएम फडणवीस ने राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के फैसले का बचाव किया, जिसमें उन्होंने कुनबी सर्टिफिकेट से जुड़े ज्ञापन को विभाग के पास छानबीन के लिए भेजा था। बीड जिले में कुछ मराठा-कुनबी सर्टिफिकेट रद्द होने के बाद मनोज जारांगे पाटिल और मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के बीच राजनीतिक टकराव चल रहा है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि संवैधानिक रूप से

किसी मंत्री के लिए जिम्मेदारी है कि वह शिकायतों और ज्ञापनों को जांच के लिए संबंधित विभाग को भेजे। विभाग केवल ज्ञापन के आधार पर नहीं बल्कि सबूतों के आधार पर फैसला लेता है। इस मामले को देखने वाली कमिटी सरकार से स्वतंत्र है और उसके पास न्यायिक शक्तियां हैं। अगर कोई उसके फैसले से असंतुष्ट है, तो अपीलीय अथॉरिटी के पास जा सकते हैं। चंद्रशेखर बावनकुले ने मंत्री के तौर पर सिर्फ अपना कर्तव्य निभाया था।

टूटी-फूटी मराठी नहीं चलेगी

प्रशिक्षण पाने वालों में ज्यादातर यूपी व बिहार के लोग हैं जिन्होंने वर्षों से ऑटो-टैक्सी चलाते हुए टूटी-फूटी मराठी सीखी है। लेकिन, अब उनके लिए बकायदा मराठी पढ़ना, बोलना और समझना जरूरी हो गया है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा है कि मराठी सीखो अन्यथा 17 अगस्त के बाद कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

सरकार पर मराठा बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने और धोखेबाजी करने का आरोप

महाराष्ट्र में पिछले दिनों मराठावाड़ा क्षेत्र में कुनबी सर्टिफिकेट रद्द किए गए हैं। मनोज जरांगे पाटील ने अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि मराठा समाज को दिए गए कुणबी जाति प्रमाणपत्र रद्द करने के आदेश वापस नहीं लिए गए और आरक्षण की मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे 29 अगस्त 26 से जालना के अंतरवाली में फिर से एक बड़ा और निर्णायक आंदोलन शुरू करेंगे। पश्चिम महाराष्ट्र के दौरे (सांगली, सातारा और सोलापुर) के दौरान उन्होंने सरकार पर मराठा बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने और धोखेबाजी करने का आरोप लगाया है।

अलग-अलग समुदायों की आरक्षण संबंधी मांगों पर सुनवाई होगी

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कि महाराष्ट्र सरकार अलग-अलग समुदायों की आरक्षण संबंधी मांगों पर सुनवाई तो करेगी, लेकिन फैसले सिर्फ संविधान और नियमों के दायरे में ही लिए जाएंगे। जो मांगे संवैधानिक दायरे में नहीं होगीं, उन्हें खारिज कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार मराठा, ओबीसी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, और खानाबदोश जनजाति समेत सभी समुदायों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार एक समूह का हक छीनकर दूसरे को नहीं देगी।सरकार संविधान के अनुसार चलती है और आगे भी ऐसा ही करेगी। यह दबाव में या नियमों से हटकर काम नहीं करती। हालांकि, सरकार सबकी बात सुनती है। अगर कोई मांग जनहित में है और संविधान के दायरे में आती है, तो उस पर विचार किया जाएगा। अगर वह संविधान के दायरे में नहीं आती है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उत्तर भारतीय के लिए महाराष्ट्र की भाषा का व्यावहारिक ज्ञान अनिवार्य

महाराष्ट्र सरकार ने ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी का व्यावहारिक ज्ञान अनिवार्य कर दिया है। इसलिए हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे मराठी शिक्षण अभियान के तहत 1 मई से गैर-मराठी ऑटो और टैक्सी चालकों को महाराष्ट्र की भाषा सिखाने का अभियान चल रहा है। क्षेत्रीय परिवहन विभाग, मुंबई मराठी साहित्य संघ, राज्य मराठी विकास संस्था और कोकण मराठी साहित्य परिषद के शिक्षक गैरमराठी ऑटो व टैक्सी चालकों को मराठी बोलने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। अभियान न केवल मुंबई महानगर क्षेत्र बल्कि पूरे महाराष्ट्र में चला रहा है।

भाजपा ने शुरू की सबसे बड़ी मराठी पाठशाला

मुंबई भाजपा के उत्तर भारतीय मोर्चा ने मुंबई पब्लिक स्कूल में अब तक की सबसे बड़ी मराठी पाठशाला शुरू की है। बीते तीन दिनों में इस पाठशाला में करीब दस हजार से अधिक ऑटो और टैक्सी चालक मराठी बोलने का प्रशिक्षण ले चुके हैं। मुंबई भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा कहते हैं कि पहल केवल मराठी सिखाने तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि हम ऑटो-टैक्सी चालकों के साथ पूरी ताकत से खड़े रहेंगे।

प्रशिक्षण के बाद ली जा रहीं परीक्षाएं

आंकड़ों के मुताबिक मुंबई में 3 से 4.5 लाख ऑटो रिक्शा हैं जबकि काली-पीली टैक्सियों की संख्या 60 हजार है। लेकिन, चालकों की संख्या इससे कहीं अधिक है क्योंकि ऑटो और टैक्सियां दो शिफ्ट में चलाई जाती है। रविवार तक मराठी सीखने के लिए चालकों की तरफ से 1.35 लाख आवेदन आ चुके थे और इनमें से अब तक 1.10 लाख मराठी का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। प्रशिक्षण के बाद बकायदा परीक्षाएं ली जा रही हैं। हालांकि, इसमें अधिकतर पास हो रहे हैं लेकिन फेल होने वाले चालकों के सामने रोजी रोटी का बड़ा संकट पैदा हो गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महिलाओं को और भागीदारी मिलना चाहिए

इसमें कोई दो राय नहीं कि महिलाओं लोस, रास व विधान सभाओं में प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। पर उससे पहले देश में कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां महिलाओं की संख्या कम है या नगण्य वहां भी सरकारों को ध्यान देना चाहिए। बतादे कोई भागीदारी तय करती है कि नीतियों में उनके ज्ञान और उनकी जरूरतें शामिल रहें।

आजकल महिला आरक्षण का शोर चारो ओर है। गलत प्रावधानों के चलते विपक्ष के विरोध सविंधान संधोधन लोक सभा में गिर गया। इसमें जहां विपक्ष पर सत्ता पक्ष सवाल उठा रह है उससे ज्यादा जिम्मेदारी उसकी भी है। जब 2023 में बिल पास हो चुका है तो इसकी जरूरत क्या थी। इसमें कोई दो राय नहीं कि महिलाओं लोस, रास व विधान सभाओं में प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। पर उससे पहले देश में कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां महिलाओं की संख्या कम है या नगण्य वहां भी सरकारों को ध्यान देना चाहिए। बतादे कोई भागीदारी तय करती है कि नीतियों में उनके ज्ञान और उनकी जरूरतें शामिल रहें। जल जीवन मिशन ने ग्राम जल व स्वच्छता समितियों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व अनिवार्य बनाया है। जल गुणवत्ता जांच के लिए जल सखियों का प्रशिक्षण सामुदायिक स्तर पर उनकी तकनीकी क्षमता को मजबूत बना रहा है। इन प्रयासों का गहरा व स्थायी सामाजिक-आर्थिक प्रभाव सुनिश्चित करना अब भी एक चुनौती है, जिसे दूर करने की जरूरत है।

जल शासन को जब महिलाएं आकार देती हैं, तो जल सुरक्षा बढ़ती है, आजीविकाएं लचीली बनती हैं और समुदायों को जलवायु परिवर्तन के लिए बेहतर रूप से तैयार होने में मदद मिलती है। जल और लैंगिक समानता आपस में गहराई से जुड़े विषय हैं। महिलाएं प्रतिदिन घरों, खेतों और समुदायों में जल का इंतजाम तो करती हैं, लेकिन जल शासन (वाटर गवर्नेंस)) में उनकी भागीदारी बहुत सीमित बनी हुई है, जिसके गंभीर परिणाम सामने आ रहे हैं। देश के कई हिस्सों में महिलाओं को प्रतिदिन औसतन 35 मिनट सिर्फ पानी लाने में खर्च करना पड़ता है, जो उनकी शिक्षा, आजीविका, स्वास्थ्य और खुशहाली को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। इतना ही नहीं, जलवायु परिवर्तन का जोखिम देश के आधे से अधिक जिलों को अत्यधिक जल समस्याओं (वाटर स्ट्रेस) के प्रति संवेदनशील बना रहा है। इस दिशा में केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन जैसी प्रमुख योजना एक निर्णायक बदलाव ला रही है। पिछले पांच वर्षों में ग्रामीण नल कनेक्शन 17 प्रतिशत से बढ़कर 79 प्रतिशत (24) हो गए हैं, जिससे 15.2 करोड़ घरों तक जल पहुंच रहा है। जल की सहज उपलब्धता महिलाओं और लड़कियों के लिए पूरे वर्ष में 27 दिनों के अतिरिक्त समय की बचत कर रही है, जिससे उनकी आर्थिक भागीदारी बढ़ रही है। गुजरात की मुख्यमंत्री महिला पानी समिति प्रोत्साहन योजना इसका बेहतरीन उदाहरण है, जहां 500 समितियां पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित हैं और अधिक समितियों में उनकी भागीदारी 7 प्रतिशत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आंकड़ों की बाजीगरी और यथार्थ की अनदेखी

डॉ. जगमती सांगवान

परिवार स्वास्थ्य एवं कल्याण सर्वे का उद्देश्य देश में प्रजनन दर, मृत्यु दर, परिवार नियोजन और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर आवश्यक आंकड़े प्रदान करना है। यह सर्वे हर पांच साल में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण में उभरती चुनौतियों को दर्शाते हुए भविष्य के नीति निर्धारण को डेटा-बेस्ड व वैज्ञानिक आधार प्रदान करता है। इसके चक्र-6 के आंकड़े हाल ही में मई में प्रकाशित किए गए। उल्लेखनीय है कि यह सर्वे ही भविष्य के नीति निर्धारण का आधार बनता है। इसके बिना नागरिक तथा नीति-निर्धारक आदि सरकार की नीतियों का विश्लेषण आंकड़ों की बजाय सरकारी आख्यानों के आधार पर करने को मजबूर होते हैं। लेकिन इन आंकड़ों को जारी करने में जान-बूझकर विलंब तथा अनावश्यक हस्तक्षेप के जरिए सरकार ने इसकी नीतियों के सर्वे-आधारित विश्लेषण के आधार को ही छीन लिया।

एनएफएचएस-5 (2019 से 2021) व इससे पहले के सर्वे चक्र में 131 प्रमुख संकेतकों की स्थिति दिखाई जाती रही। ताज़ा सर्वे में केवल 101 संकेतकों की स्थिति ही दर्शाई गई है। इस तरह कुछ प्रमुख संकेतकों को नजरअंदाज कर दिया गया है; जैसे- खून की कमी की व्याप्ति, शिशु मृत्यु दर, प्रजनन क्षमता तथा आबादी, जन्म के समय लिंगानुपात, रसोई के स्वच्छ ईंधन तक पहुंच, सैनिटाइजेशन कवरेज, एचआईवी व कैंसर संबंधी जांच आदि। इस तरह से उन सभी संकेतकों को लगभग निकाल दिया गया, जिन पर सरकार का प्रदर्शन सबसे कमजोर था। यह बहु-प्रचारित योजनाओं की जांच-परख से बचने और छांट-छांट कर गरीबी, शिशु पोषण और महिला स्वास्थ्य की विफलताओं पर पर्दा डालने का मसला भी है। व्यापक स्तर पर यह इस तथ्य को छिपाने की ही कोशिश है कि बाजार सुधार के नाम पर चलाई जा रही नीतियों से हम राष्ट्र के तौर पर निर्धनतम तबकों जैसे महिलाएं, बच्चे और गरीबों की कीमत पर निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य उद्योग को फायदा पहुंचाने में लगे हुए हैं।

एनएफएचएस-6 में केवल पहले से चले आ रहे संकट को हटाया ही नहीं, बल्कि विकृत स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के रुझानों को पोषित करने के लिए कुछ नए संकेतक तक भी जोड़ दिए गए हैं। इनका जोर अल्पपोषण की बजाय जीवनशैलीगत संकेतकों की तरफ ज्यादा है, मसलन- मोटापा। याद रहे, दक्षिण एशिया में गैर-संचारी रोगों से होने वाली मौतों की आधी संख्या भारत में होती है। फिर भी, नीतिगत प्राथमिकताओं का

अल्पपोषण से मोटापे की तरफ मोड़ना एक खास दृष्टिकोण का संकेतक है। हमारे यहां 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में ठिगनापन 29.3 प्रतिशत पर है, दुबलापन 31.8 प्रतिशत, अल्प विकास 19.0 प्रतिशत तथा अत्यधिक अल्प विकास 5.02 प्रतिशत पर है। देश में 6 से 23 महीने के बच्चों में केवल 15.3 प्रतिशत को ही पर्याप्त खुराक मिल पाती है। स्तनपान से पोषण 63.7 प्रतिशत से घटकर 55 प्रतिशत पर आ गया है। मोटे तौर पर हर पांच में से एक स्त्री-पुरुष अब भी दुबला या अंडरवेट है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस स्थिति को महामारिगत ध्रुवीकरण कहते हैं, जहां किसी आबादी के बीच स्वास्थ्य संबंधी नतीजे समूहों के बीच बढ़ते पैमाने पर विभाजित होते जाते हैं। इसमें रुग्णता, जीवन प्रत्याशा और स्वास्थ्य रक्षा तक पहुंच के संबंध में समूहों के बीच खाई बढ़ती जाती है। रक्त अल्पता के आंकड़ों को हटाकर मोटापे के आंकड़े को जोड़ना स्वास्थ्य स्थिति की अधूरी तस्वीर ही सामने लाता है, जिसमें पोषणगत बुनियादी विफलताओं को किनारे किया जाता है। सबसे नाटकीय ढंग से रक्ताल्पता के आंकड़ों को नजरअंदाज किया गया है। एनएफएचएस-5 में संकट बढ़ने की जानकारी सामने आई थी। 5 साल से कम आयु के बच्चों में खून की कमी 58.6 प्रतिशत से बढ़कर 67.1 प्रतिशत हो गई थी और 15 से 49 वर्ष आयु तक की महिलाओं के बीच यह 57 प्रतिशत थी, जिससे 'रक्ताल्पता मुक्त भारत योजना' पर सवाल उठे थे। इसी प्रकार, जन्म के समय लिंगानुपात हटा दिया गया है, जबकि यह लैंगिक भेदभाव का सबसे सशक्त संकेतक माना जाता है। एक स्वास्थ्य सर्वे जवाबदेही का औजार भी है। इसमें से सरकार की नीतियों की विफलताएं सामने लाने वाले संकेतकों को हटा देना गंभीर मसला है। हटाए जाने का पैटर्न भी अपनी कहानी कहता है।

मिसाल के तौर पर, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2016 में गरीब महिलाओं को रसोई के कनेक्शन मुहैया करवाने के लिए शुरू की गई थी। एनएफएचएस-5 में पता चला था कि 40 प्रतिशत परिवारों को अब भी ईंधन के लिए चूल्हा फूंकना पड़ता है। अब एनएफएचएस-6 से इसे हटा दिया गया है। इसी प्रकार, स्वच्छ भारत मिशन में 10 करोड़ शौचालय बनवाने के बाद 2019 में सरकार ने भारत को खुले में शौच से मुक्त घोषित कर दिया था। इसके बावजूद एनएफएचएस-5 में पता चला था कि 19 प्रतिशत परिवारों को शौचालय की सुविधा मिली ही नहीं थी।

सम्यक् समझ की अंतर्दृष्टि देता है स्वाध्याय

कोई भी पुस्तक पढ़ने से स्वाध्याय का प्रयोजन पूरा नहीं हो जाता। इसके लिए आध्यात्मिक रूप से प्रकाशित महापुरुषों, मानवीय चेतना के मर्मज्ञ ऋषियों द्वारा रचित ग्रंथों का पारायण श्रेष्ठ रहता है, जो मानवीय मन एवं व्यक्तित्व की सभी परतों को समझने और इनके पार जाने का मार्ग सुझाते हों।

प्रो. सुखनंदन सिंह

व्यक्ति की सामान्य वृत्ति बहिर्मुखी रहती है और समाज का चलन भी उसे इसी दिशा में प्रेरित-प्रवाहित रखता है। स्वयं को समझने के लिए जिस प्रकाश की आवश्यकता रहती है, वह अंतर्मुखी मन के साथ ही उपलब्ध हो पाता है। इसके लिए टिककर कुछ पल ठहरने और अंदर निहारने की आवश्यकता होती है। अंत:करण के कोने-कातर में छिपे दोष-दुर्गुणों, आदतों-संस्कारों का अवलोकन करना पड़ता है। अपनी सामान्य बुद्धि एवं समझ के आधार पर भी इसे किया जा सकता है। लेकिन जिस गहराई एवं व्यापकता में इस अंत:अवलोकन एवं आत्मविश्लेषण की आवश्यकता रहती है, वह मात्र स्वयं की बौद्धिक समझ के आधार पर सम्यक रूप में संभव नहीं हो पाती। जबकि स्वाध्याय के प्रकाश में यह कार्य सहज एवं प्रभावी ढंग से संपन्न हो जाता है। स्वाध्याय का अर्थ है सद्ग्रंथों के प्रकाश में स्वयं का अध्ययन।

स्वयं का अध्ययन तो मनोविज्ञान भी करता है, लेकिन इसकी अपनी सीमाएं हैं। यह अचेतन मन की अंधेरी परतों के पार प्रकाश नहीं डाल पाता, क्योंकि अभी तक आधुनिक मनोविज्ञान का स्वरूप पूरी तरह से प्रकाशित नहीं है। यह अचेतन या अवचेतन मन की सीमाओं में ही जीवन को परिभाषित करता है। इन्हीं सीमाओं में जीवन के समाधान प्रस्तुत करता है, जो अंतरात्मा को संतुष्ट नहीं कर पाते। वहीं ऋषियों द्वारा, प्राज्ञ पुरुषों द्वारा रचित साहित्य अचेतन को भी प्रकाशित करने वाले प्रकाश-स्रोत की ओर संकेत करता है, उससे परिचय करवाता है। इसे जीवन में धारण करने का मार्गदर्शन प्रदान करता है। ऐसे आध्यात्मिक साहित्य के अध्ययन, पारायण एवं चिंतन-मनन के साथ वह अंतर्दृष्टि विकसित होती है, जो जीवन की सम्यक समझ को विकसित करती है। इसके विभिन्न आयामों से परिचय करवाती है। व्यक्तित्व के चेतन, अचेतन एवं सुपरचेतन—सभी पक्ष इसके अवलोकन के दायरे में आ जाते हैं। स्वाध्याय के साथ आत्मचिंतन करते हुए व्यक्ति अंतरमन के गहनतर स्तर पर स्वयं का विश्लेषण कर पाता है। इसी सुधार एवं परिष्कार की प्रक्रिया गहनतम स्तर पर संभव हो पाती है।

इस प्रकाश के अभाव में व्यक्ति अंधेरे में भटकता रहता है। धन, सत्ता, ऐश्वर्य एवं सुख-भोग में जीवन के आदि और अंत को तलाशता है और जीवन में सुख, शांति व आनंद की कामना करता है, जो मृगतृष्णा ही साबित होते हैं। बल्कि जीवन तनाव, अवसाद एवं हताशा-निराशा के अंधेरे में खो जाने के लिए अभिशप्त होता है। पश्चाताप के साथ इसका अवसान होता है।

स्वाध्याय व्यक्ति को इस त्रासदी से बचाता है, उबारता है। वह समझ पैदा करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति अपने जीवन की कमान अपने हाथों में लेता है और जीवन की चरम संभावनाओं की ओर अग्रसर होता है। कोई भी पुस्तक पढ़ने से स्वाध्याय का प्रयोजन पूरा नहीं हो जाता। इसके लिए आध्यात्मिक रूप से प्रकाशित महापुरुषों, मानवीय चेतना के मर्मज्ञ ऋषियों द्वारा रचित ग्रंथों का पारायण सर्वश्रेष्ठ रहता है, जो मानवीय मन एवं व्यक्तित्व की सभी परतों को समझने और इनके पार जाने का मार्ग सुझाते हों। जीवन में जिस स्तर का रूपांतरण हम चाहते हैं, उसी अनुरूप पुस्तकों का चयन एवं पारायण अपेक्षित रहता है। ईमानदारी से जिन्होंने अपने जीवन को बदलने के सफल प्रयास किए हों, उनकी पुस्तकें हमें पथ की बारीकियों से परिचित करवाने में बहुत सहायक रहती हैं। प्रश्न उठता है कि स्वाध्याय कब व कैसे करें। स्वाध्याय प्रभावशाली हो, इसके लिए एक सार्वकालिक अनुभूत विधि है कि प्रात: जब स्नान के बाद ध्यान या आत्मचिंतन के लिए बैठते हों, उस समय स्वाध्याय का प्रयोग करें। इस समय मन स्वत: ही शांत, स्थिर, एकाग्र एवं ग्रहणशील अवस्था में होता है। अपने सामान्य ध्यान-पूजन के बाद चयनित पुस्तक का एक पन्ना, या एक पैरा, या कुछ श्लोक अर्थ-चिंतन के साथ इस क्रम में पढ़े जा सकते हैं।

इस दौरान एक विचार, जो अंतर्चेतना को गहनतम स्तर पर छू गया हो, उसे दिन का विचार या गुरु-मंत्र मानते हुए एक कागज या पॉकेट डायरी में नोट करें। दिन भर इस पर विचार करें। फुर्सत के पलों में इसे निहारें, इसका मनन करें और जीवन में धारण करने का प्रयास करें। शाम या रात को सोने से पहले, जब एकांत में हों, तो चिंतन करें कि विचार कितने अंशों में, किस स्तर पर लागू हो पाया। स्वाध्याय के साथ चिंतन-मनन एवं आत्म-अवलोकन का यह प्रयोग क्रमश: एक अंतर्दृष्टि विकसित करेगा। स्वाध्याय से संगृहीत विचार, एक सेना के रूप में आपके तरकश में एकत्र होंगे, जो जीवन के कठिन दौर में, विषम परिस्थितियों में, जब नकारात्मक और अवांछनीय विचारों की सेना आपको परास्त करने के लिए हावी होगी, तब आपके काम आएंगे। विषादग्रस्त अर्जुन की भांति आपकी विषादमय मन:स्थिति में यही विचार श्रीकृष्ण की भांति सारथी बनकर आपका मार्गदर्शन कर रहे होंगे।

15 अगस्त

झंडा ऊंचा रहे हमारा...

स्वतंत्रता दिवस की थीम

वर्ष 2026 के 80वें स्वतंत्रता दिवस की मुख्य थीम विकसित भारत@2047 के लिए युवा शक्ति और वंदे मातरम् के 150 वर्ष है। इस वर्ष लाल किले से इतिहास में पहली बार राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का विशेष गायन किया जाएगा। मुख्य आकर्षण और बिंदुथीम का मुख्य केंद्र देश के युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका। इसका ऐतिहासिक पहल स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणास्त्रोत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसका विशेष गायन।

15 अगस्त 2026, शनिवार को पूरे भारत के लोगों द्वारा मनाया जायेगा। इस साल 2026 में भारत में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जायेगा। 15 अगस्त 1947 को भारत में प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। हमारे देश का तिरंगा जब शान से लहराता है तो हर भारतीय का सीना गर्व से फूल कर चौड़ा हो जाता है, यह पल गर्व से भर देने वाला होता है। आज की तारीख भारत की आजादी के इतिहास में खास दिन है, जिसे साकार करने के लिए देश के अनेक वीर सपूतों ने हंसते-हंसते अपनी जान कुर्बान कर दी थी, वीरांगनाएं भी बलिदान देने से पीछे नहीं हटीं। स्वतंत्रता दिवस एक विशेष दिन है। भारत को 190 वर्षों की लंबी लड़ाई के बाद, 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश सरकार और उनके क्रूर नियमों से आजादी मिली थी। ब्रिटिश शासन से मिली देश की आजादी को चिह्नित करने के लिए हर साल स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह देशभक्ति के उत्साह, ध्वजारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और नेताओं के भाषणों से भरा एक विशेष अवसर होता है।

ऐसे हुई थी राष्ट्रीय ध्वज की रचना

बताया जाता है कि 1916 में स्वतंत्रता सेनानी आंध्र प्रदेश के पिंगली वैंकैया ने एक ऐसे झंडे के बारे में सोचा जो सभी भारतवासियों को एक धागे में पिरोकर रखे। उनकी इस पहल को एस.बी. बोमान जी और उमर सोमानी का साथ मिला और इन तीनों ने मिल कर नेशनल फ्लैग मिशन की स्थापना की। वहीं वैकेंया महात्मा गांधी से काफी प्रेरित थे। महात्मा गांधी ने उन्हें इस ध्वज के बीच में अशोक चक्र रखने की सलाह दी जो संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का संकेत बनेगा।

स्वतंत्रता दिवस का महत्व

स्वतंत्रता किसी भी व्यक्ति के लिए महत्व रखने वाली है और भारतीय स्वतंत्रता दिवस भी हमारे लिए उतना ही महत्व रखता है। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2026) के मौके पर हम सभी भारतीय आजादी का महत्व समझते हैं और उन सभी बलिदानी वीरों को याद करते हैं जिन्होंने हमारे लिए जान गंवाई। सभी व्यक्तियों में देशभक्ति की भावना जागृत होती है और अपने राष्ट्रीय शहीद और प्रतिको के लिए सम्मान की भावना जागृत होती है। स्वतंत्रता दिवस का महत्त्व इसीलिए भी है की, इस दिन लोगों को भारत की स्वतंत्रता के महत्व और लोगों को भारत की स्वतंत्रता का प्रचार- प्रसार करने की शिक्षा सरकारी विभागों द्वारा दी जाती है। भारत की स्वतंत्रता के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता और महत्व के बारे में लोगो को जागरुक करने के लिए स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री देते हैं भाषण

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और एकजुट, प्रगतिशील और समावेशी भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताने के लिए लोग एक साथ आते हैं। इस अवसर पर प्रमुख सरकारी इमारतों को रोशनी और तिरंगे झंडों से रोशन किया जाता है, घरों और अन्य इमारतों पर भी झंडों को फहराया जाता है। राष्ट्रपति 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन देते हैं। भारत के प्रधानमंत्री पुरानी दिल्ली के लाल किले में भारतीय ध्वज फहराने के साथ भाषण भी देते हैं। इसके साथ ही विशेष उपलब्धियों को गिनाते हैं। इसके अलावा राज्यों की राजधानियों में ध्वजारोहण समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और अक्सर कई स्कूल और संगठन इसमें भाग लेते हैं।

आजादी का प्रतीक

भारत में पतंग उड़ाने का खेल भी स्वतंत्रता दिवस का प्रतीक है, विभिन्न आकार प्रकार और स्टाईल के पतंगों से भारतीय आकाश पट जाता है। इनमें से कुछ तिरंगे के तीन रंगो में भी होते हैं, जो राष्ट्रीय ध्वज को प्रदर्शित करते हैं। स्वतंत्रता दिवस का दूसरा प्रतीक नई दिल्ली का लाल किला है जहां 15 अगस्त 1947 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने तिरंगा फहराया था।

हंसना मना है

भाभी जी- भैया, ये आम लंगड़ा है क्या? फलवाला- हां भाभी, भाभी जी- लेकिन सभी एक जैसे दिख रहे है, मैं कैसे मानूं? फलवाला- लंगड़ा है तभी तो ठेले पर बिठाकर घुमा रहा हूं। फलवाले की बात सुन भाभी जी बेहोश।

सास- दामाद जी अगले जन्म में आप क्या बनना चाहेंगे? दामाद- अगले जन्म में छिपकली बनना चाहुंगा। सास-छिपकली? वो क्यूं? दामाद- क्योंकि आपकी बेटी छिपकली से बहुत डरती है।

शादी में पंडित जी ने दूल्हे का हाथ दुल्हन के हाथ में थमा दिया। एक बच्चा ये देख रहा था, उसने अपने पिता से पूछा - पिताजी दूल्हा और दुल्हन आपस में हाथ क्यों मिला रहे हैं? पिता ने उत्तर दिया - बेटा, पहलवान अखाड़े में उतरने से पहले हाथ जरूर मिलाते हैं।

कहानी | शेर और सियार

एक बार सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले में आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुचा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज कार्यक्षेत्र में योजनाएं सफल होंगी। कारोबारी हैं तो आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा। दिनभर स्फूर्ति बनी रहेगी।

वृषभ

कला, फैशन और रचनात्मक क्षेत्र में बड़ा अवसर मिल सकता है। कारोबारी हैं तो सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। धन लाभ के अच्छे योग हैं। लव लाइफ में मिठास घुलेगी।

मिथुन

नौकरी-पेशा हैं तो पराक्रम से सभी बाधाएं दूर होंगी। व्यावसायिक सौदों के दौरान संयम रखें। रिश्तों में संवादहीनता न आने दें। शॉपिंग में अत्यधिक खर्च से बचें।

कर्क

वर्कप्लेस पर अधिकारियों से प्रोत्साहन मिल सकता है। कारोबारी हैं तो आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाएं। पारिवारिक मामलों में धैर्य और प्रेम का परिचय दें।

सिंह

नेतृत्व क्षमता का विकास होगा और काम का दबाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। पार्टनर के साथ रिश्ते में मिठास रहेगी। आय के नए स्रोत सामने आ सकते हैं।

कन्या

कार्यस्थल पर प्राथमिकताओं को तय कर काम निपटा लें। कारोबारी हैं तो सावधानी से लेनदेन करें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पैसों का लेनदेन आज न करें।

तुला

कार्यस्थल पर भाग्य का साथ मिलेगा। इच्छाओं की पूर्ति होगी। साझेदारी के व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। रोमांटिक लाइफ बहुत शानदार रहेगी।

वृश्चिक

अधिकारियों से प्रोत्साहन मिलेगा। जॉब चेंज के लिए अच्छा दिन है। कारोबारी हैं तो अपने काम को दूसरों के भरोसे न छोड़ें। लव पार्टनर के साथ बहस हो सकती है।

धनु

कार्यस्थल पर किस्मत का भरपूर सहारा मिलेगा। कारोबार, पढ़ाई और ट्रेनिंग के लिए अच्छा समय है। पार्टनर के साथ धार्मिक गतिविधियों में समय बीतेगा।

मकर

कार्यस्थल पर सकारात्मक माहौल रहेगा। प्रॉपर्टी, कंस्ट्रक्शन या रीसेल के कारोबार से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा। पार्टनर को समय न देने से थोड़ी नाराजगी रहेगी।

कुम्भ

कार्यस्थल पर नए विचार आपके काम को अलग पहचान दिलाएंगे। कारोबारी हैं तो सोच समझकर निवेश करें। जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मीन

कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी। कारोबारी हैं तो प्रतिस्पर्धियों की योजनाएं असफल होंगी। पार्टनर के साथ अच्छा समय बीतेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

आवारापन की असफलता ने मुझे काफी निराश कर दिया था : श्रिया

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन (2007) भले ही रिलीज के वक्त बॉक्स ऑफिस पर कमाल न दिखा पाई हो, लेकिन समय के साथ इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में अपनी एक खास जगह बनाई और ये ये एक कल्ट फिल्म बन गई। अब करीब दो दशक बाद फिल्म का सीक्वल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। इस बीच आवारापन की लीड एक्ट्रेस श्रिया सरन ने बताया कि वो फिल्म के फ्लॉप होने से टूट गई थीं। साथ ही, उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा भी किया है। हाल ही में पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में श्रिया सरन ने बताया कि आवारापन की असफलता ने उन्हें काफी निराश कर दिया था। उन्होंने ये भी खुलासा किया कि फिल्म को कुछ अवॉर्ड शोज में नॉमिनेशन मिलने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज किया गया था। श्रिया ने कहा, जब फिल्म रिलीज हुई थी, तब हम सभी को इससे काफी उम्मीदें थीं। लेकिन मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हुआ। मुझे लगता है कि ये फिल्म अपने समय से काफी आगे थी। फिल्म को कुछ अवॉर्ड शोज में नॉमिनेशन भी मिला था, लेकिन मुझे वहां बुलाया तक नहीं गया। मुझे हमेशा लगता था कि आवारापन को लोग खूब पसंद करेंगे और इसका जश्न मनाएंगे। जब ऐसा नहीं हुआ तो मैं काफी निराश हो गई थी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, लंबे समय तक मुझे लगता रहा कि शायद लोगों ने सिर्फ इसके गानों को पसंद किया है, क्योंकि गाने बहुत बेहतरीन थे और इमरान भी कमाल के थे। लेकिन अब मुझे लगता है कि लोगों ने असल में कहानी को प्यार दिया है। उन्होंने इसे महसूस किया, क्योंकि ये बहुत ही इंटेंस कहानी है। वरना, जिस तरह का प्यार वो आज भी इसे दे रहे हैं, वो ऐसा नहीं होता। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म आवारापन एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा है। इसमें इमरान हाशमी, मृणालिनी शर्मा और श्रिया सरन लीड रोल में थे।

सलमान खान की फिल्म एसवीसी63 में हुई मुजम्मिल इब्राहिम की एंट्री

सलमान खान और नयनतारा की फिल्म एसवीसी63 की अनाउंसमेंट के बाद से ही फैंस इसे लेकर एक्साइटेड हैं। फिल्म को लेकर मेकर्स ने अभी कई अहम जानकारियां छिपा रखी हैं, लेकिन धीरे-धीरे इससे जुड़े नए नाम सामने आ रहे हैं। अब फिल्म की स्टारकास्ट में अभिनेता मुजम्मिल इब्राहिम का नाम भी जुड़ गया है। एक्टर ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और उनका कहना है कि उनका किरदार एक्शन से भरपूर होने वाला है।

मुजम्मिल इब्राहिम ने धोखा, हॉर्न ओके प्लीज, विल यू मैरी मी और स्पेशल ऑप्स जैसी फिल्मों और सीरीज में काम कर खूब पॉपुलैरिटी बटोरी है। वहीं अब वे सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म का ऑफिशियल टाइटल अभी सामने नहीं आया है और फिलहाल इसे एसवीसी63 के नाम से ही जाना जा रहा है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए मुजम्मिल ने कहा, फिल्म में अपने किरदार से जुड़ी ज्यादा जानकारी मैं साझा नहीं कर सकता, लेकिन बता सकता हूं कि मेरा किरदार एक्शन से भरपूर है। मैंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, मुजम्मिल फिल्म में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। उनके किरदार को कहानी में महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। हालांकि, उनका किरदार सलमान खान और नयनतारा की कहानी से किस तरह जुड़ा होगा, इसे लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने फिल्म के ज्यादातर हिस्सों को सीक्रेट रखा हुआ है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बनी हुई है।

सलमान खान के साथ पहली बार काम करने को लेकर मुजम्मिल काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना मेरे लिए बेहद खास है। उनके साथ काम करना मेरे लिए एक बकेट-लिस्ट मोमेंट है। यह फिल्म मेरे करियर की एक खास उपलब्धि है।

वामशी पेडिपल्ली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को दिल राजू और शिरीष प्रोड्यूस कर रहे हैं फिल्म का निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के बैनर तले बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

मैं शादी किए बिना भी खुद को शादीशुदा मानती हूं : पूजा बेदी

पूजा बेदी ने हाल ही में अपने रिश्तों को लेकर राय रखी। उन्होंने यह भी बताया कि शादी को लेकर उनकी सोच काफी बदल चुकी है। एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर मानेक कॉन्ट्रैक्टर से शादी के बारे में भी काफी कुछ ही। पूजा बेदी ने विक्की लालवानी से बातचीत के दौरान शादी के इरादे पर बात की। उन्होंने कहा कि शादी उनके सपनों का हिस्सा नहीं है। वह खुद को शादीशुदा की तरह ही मानती हैं। पूजा बोलीं.कई साल बीत जाने पर शादी को लेकर मेरी सोच में काफी बदलाव आया है।

मानेक कॉन्ट्रैक्टर से सगाई को 8 साल हो जाने पर भी शादी को लेकर अभी कोई प्लान नहीं है। मेरे लिए

सगाई ही काफी है। शादी होना कोई जरुरी चीज नहीं है।

ऐसा करने से कपल की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। अपनी-अपनी संपत्ति अपने बच्चों के लिए छोड़ सकते हैं।

मैं आधिकारिक तौर पर शादी किए बिना भी खुद को शादीशुदा मानती हूं।

आगे अपनी बातचीत में पूजा ने कहा, 'मेरी शादी हुई, मेरा तलाक हो गया, मेरे दो बच्चे हैं। उनकी भी शादी हुई, उनका तलाक हो गया, उनके भी बच्चे हैं। संपत्ति जैसी छोटी-छोटी बातों में तो सब कुछ बहुत सरल है। मेरी संपत्ति मेरे बच्चों को मिलेगी, उनकी संपत्ति भी उनके बच्चों को मिलेगी। मैं कमा रही हूँ, वह कमा रहे हैं, हम दोनों आत्मनिर्भर हैं। मुझे सुरक्षा के लिए उनकी जरूरत नहीं है। उन्हें भी आर्थिक सुरक्षा के लिए मेरी जरूरत नहीं है।' पूजा बेदी ने साल 1994 में व्यवसायी फरहान फर्नीचरवाला से शादी की थी, जिनसे उनके दो बच्चे (आलिया और उमर) हैं। वर्ष 2003 में दोनों का तलाक हो गया था।

अजब-गजब | ये है भरत के इतिहास का अनोखा राज

कौन सा शहर एक दिन के लिए बना था देश की राजधानी?

भारत का इतिहास कई ऐसे रोचक किस्सों से भरा हुआ है, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। राजधानी दिल्ली को माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा शहर भी है, जिसे इतिहास में एक दिन के लिए भारत की राजधानी बनने का मौका मिला था? यह शहर है इलाहाबाद, जिसे अब प्रयागराज के नाम से जाना जाता है। दरअसल, यह घटना ब्रिटिश शासन के दौर की है। साल 1858 में भारत में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव हुआ था। 1857 के विद्रोह के बाद ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त कर भारत का प्रशासन सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन चला गया। इसी दौर में इलाहाबाद का महत्व तेजी से बढ़ा।

1858 में ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया की ओर से जारी किया गया प्रसिद्ध क्वीन विक्टोरिया का घोषणा-पत्र इलाहाबाद में पढ़ा गया था। 1 नवंबर 1858 को लॉर्ड कैनिंग ने इलाहाबाद में एक भव्य दरबार के दौरान यह घोषणा की थी। इसी वजह से इलाहाबाद को उस दिन भारत की प्रशासनिक और राजनीतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र माना गया।

कहा जाता है कि उस समय इलाहाबाद को कुछ समय के लिए भारत की राजधानी जैसा दर्जा मिला था। हालांकि, इसे आज की तरह स्थायी राजधानी कहना पूरी तरह सही

नहीं होगा। यह मुख्य रूप से उस ऐतिहासिक अवसर से जुड़ा हुआ विशेष दर्जा था, जब ब्रिटिश शासन ने भारत में सत्ता के नए स्वरूप की घोषणा की थी। उस समय इलाहाबाद की भौगोलिक और प्रशासनिक स्थिति भी काफी महत्वपूर्ण थी। गंगा और यमुना के संगम के कारण यह शहर पहले से ही धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से प्रसिद्ध था। ब्रिटिश शासन के दौरान भी इसका प्रशासनिक महत्व बढ़ता गया। बाद में इलाहाबाद उत्तर-पश्चिमी प्रांतों का प्रमुख प्रशासनिक केंद्र बना।

इस घटना को भारत के इतिहास में इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि 1857 के विद्रोह के बाद ब्रिटिश सरकार ने भारतीयों के सामने अपनी नई शासन व्यवस्था की घोषणा की थी। लॉर्ड कैनिंग ने इसी मौके पर महारानी विक्टोरिया का घोषणा-पत्र पढ़ा था, जिसमें भारतीय रियासतों, धार्मिक मामलों और ब्रिटिश शासन की नीतियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण संदेश दिए गए थे।

आज प्रयागराज उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख शहर है और संगम, कुंभ मेले और ऐतिहासिक विरासत के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। बहुत से लोग शायद यह नहीं जानते कि इसी शहर का नाम भारत के इतिहास के उस बेहद खास दिन से भी जुड़ा है, जब यहां से ब्रिटिश शासन की नई व्यवस्था का ऐलान हुआ था।

इसलिए जब सवाल पूछा जाता है कि कौन सा शहर एक दिन के लिए भारत की राजधानी बना था? तो आमतौर पर इसका जवाब इलाहाबाद यानी वर्तमान प्रयागराज बताया जाता है। हालांकि, इतिहास की दृष्टि से इसे स्थायी राजधानी के बजाय उस विशेष ऐतिहासिक दिन का प्रशासनिक केंद्र कहना अधिक सटीक है।

लाल रंग की बिल्ली देख कांप गए लोग अमेरिका के इस शहर में अलर्ट घोषित

अमेरिका के टेक्सस राज्य के लीग सिटी से एक बेहद अजीबोगरीब और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां सड़कों पर चमकीले गहरे लाल रंग की एक बिल्ली घूमती हुई देखी गई है। पहली नजर में खून से सनी या लाल रंग में रंगी दिखाई देने वाली इस बल्ली को देखकर स्थानीय निवासी दहशत में आ गए हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस अजीबोगरीब जीव को 'नरक की बल्ली' और 'लूसिफर (यमराज)' तक का नाम दे दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पशु संरक्षण विभाग ने आपातकालीन अलर्ट जारी कर आम जनता को इस बल्ली से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है। लीग सिटी एनिमल केयर की टीम इस लाल रंग की बल्ली को सुरक्षित पकड़ने के लिए लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है। अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि वे बल्ली को खुद पकड़ने या उसके पास जाने की कोशिश बिल्कुल न करें, क्योंकि इससे बिल्ली डरकर भाग सकती है और रेस्क्यू टीम के प्रयासों में बाधा आ सकती है। संस्था ने बयान जारी कर बताया कि वे आसपास के कैट-केयरगिवर्स की मदद से पिंजरा लगाकर बिल्ली को सुरक्षित हिरासत में लेने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उसके शरीर पर लगे खतरनाक केमिकल या डाई का इलाज किया जा सके। सोशल मीडिया पर इस लाल बिल्ली की तस्वीरें वायरल होते ही लोगों ने जानवर के प्रति करूरता और अवैध गतिविधियों से जुड़े कई गंभीर दावे किए हैं। कुछ स्थानीय लोगों का आशंका जताई है कि इस बिल्ली को किसी अवैध डॉग-फाइटिंग रिंग (कुत्तों की खूनी लड़ाई) का शिकार बनाने या टारगेट प्रैक्टिस के लिए लाल रंग से रंगा गया हो सकता है। लोगों का मानना है कि बिल्ली किसी तरह वहां से भाग निकली है। ऐसे में पुलिस को इस इलाके में जानवरों की करूरता से जुड़े गिरोहों की निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। वहीं, कुछ कैट लवर्स ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक किसी औपचारिक आपराधिक जांच या एनिमल करुएल्टी केस दर्ज करने की घोषणा नहीं की है। फिलहाल रेस्क्यू टीम का पूरा ध्यान बिल्ली को सुरक्षित पकड़कर उसका मेडिकल चेकअप करने और उसे एक सुरक्षित घर दिलाने पर टिका हुआ है।

विदेश नीति पर राहुल गांधी के बयान पर घमासान

देश के लोकतंत्र का दुर्भाग्य : जेपी नड्डा

» भड़के नड्डा, बोले- कांग्रेस के लिए भी इससे दुखद क्या होगा कि वो इनको अपना नेता मान रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पीएम मोदी की विदेश नीति पर बयान के बाद घमासान मच गया है। पीएम के मिमिक्री करने के बाद से बीजेपी कांग्रेस पर तिलमिला गई है। भाजपा ने निशाना साध रही है। अब बीजेपी कई नेता समेत जेपी नड्डा ने भड़क गए हैं। बता दें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को विदेश नीति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने रचनात्मक कांग्रेस सम्मेलन पीएम मोदी के गले लगाने की मिमिक्री की। इस पर बीजेपी ने राहुल गांधी पर हमला बोल दिया है। बीजेपी नेता जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा- विपक्ष के ऐसे नेता को देखना ही बाकी रह गया था। जेपी नड्डा के अलावा बीजेपी के कई नेता राहुल गांधी पर हमला बोल चुके हैं. निशिकांत दुबे, स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े समेत कई नेताओं ने राहुल गांधी के मिमिक्री करने पर गुस्सा जाहिर किया है। जेपी नड्डा ने लिखा- विपक्ष के ऐसे नेता को देखना ही बाकी रह गया था। यह देश के लोकतंत्र का दुर्भाग्य है। कांग्रेस के लिए भी यह कितने दुख की बात होगी कि उन्हें राहुल गांधी को अपना नेता मानना पड़ रहा है। ऐसा विपक्ष का नेता देखना ही बाक़ी रह गया था, ये देश के लोकतंत्र का दुर्भाग्य है। कांग्रेस के लिए भी इससे दुख का क्या विषय होगा की उन्हें राहुल गांधी को अपना नेता मानना पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता ने की पीएम मोदी की मिमिक्री

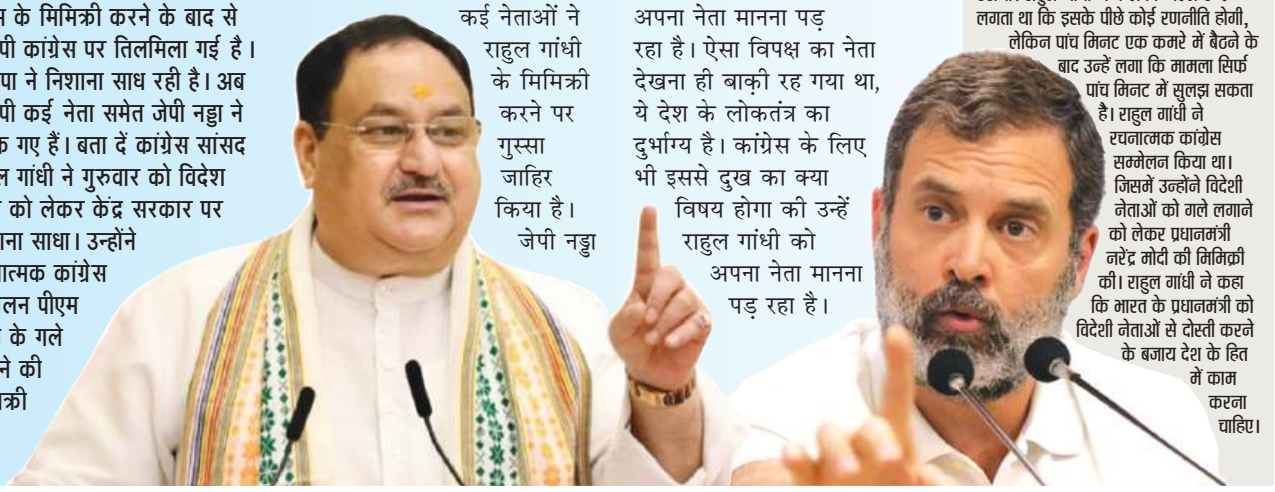

नेता प्रतिपक्ष ने पीएम के प्रेस कॉन्फ्रेंस न करने पर भी उठाये सवाल

प्रधानमंत्री आवास के बाहर हुई एक घटना का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि एक पुलिस अधिकारी ने उनसे फुसफुसाकर कहा था कि उन्हें वहां से हटाया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाया। राहुल गांधी ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि इसके पीछे कोई रणनीति होगी, लेकिन पांच मिनट एक कमरे में बैठने के बाद उन्हें लगा कि मामला सिर्फ पांच मिनट में सुलझ सकता है। राहुल गांधी ने रचनात्मक कांग्रेस सम्मेलन किया था। जिसमें उन्होंने विदेशी नेताओं को गले लगाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री की। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री को विदेशी नेताओं से दोस्ती करने के बजाय देश के हित में काम करना चाहिए।

दूसरे स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा बने लोग : वांगचुक

» देश के भविष्य को आकार देने को चुने नए लोग

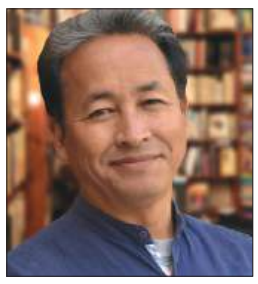

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले नई दिल्ली में जारी एक वीडियो संदेश में देश के राजनीतिक नेतृत्व को चुनने के तरीके में शांतिपूर्ण क्रांति का आह्वान किया है। उन्होंने नागरिकों से निडर, चरित्रवान और योग्य लोगों के नाम सुझाकर भारत के दूसरे स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा बनने का आग्रह किया। वांगचुक ने चेतावनी दी कि यदि प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो वर्ष 47 तक देश के विकसित बनने का सपना अधूरा रह जाएगा।

वांगचुक ने भारत के दूसरे स्वतंत्रता आंदोलन का भी आह्वान किया और नागरिकों से ऐसे नि:स्वार्थ, निडर, चरित्रवान और योग्य पुरुषों एवं महिलाओं के नाम सुझाने का आग्रह किया जो देश के भविष्य को आकार देने में मदद कर सकें। उन्होंने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और उन्होंने अपना समय देश और उसके भविष्य के बारे में सोचने में बिताया। वांगचुक ने थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका और बांग्लादेश का नाम लेते हुए कहा, पचास साल पहले जो पड़ोसी देश हमसे पीछे थे या हमारे बराबर थे, वे अब हमसे कोसों आगे निकल गए हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अगर हम प्रति व्यक्ति जीडीपी की बात करें और यदि यही स्थिति जारी रही, तो 47 में हम एक विकसित देश बनना तो दूर, वैश्विक बाजार में अपना चेहरा दिखाने के लायक भी नहीं रहेंगे।

हाई कोर्ट, झंडेवालान मंदिर समेत छह जगहों पर बम की धमकी

» मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले दिल्ली में छह जगह बम होने की धमकी मिली है। यह धमकी मेल के जरिए मिली। इसमें जामनगर हाउस और झंडेवालान मंदिर समेत कई महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं। वहीं, दिल्ली उच्च न्यायालय को एक ईमेल के माध्यम से बम विस्फोट की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। इस धमकी के बाद उच्च न्यायालय परिसर को खाली करा लिया गया और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई। हालांकि, प्रारंभिक जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है, लेकिन किसी भी तरह की कोताही न बरतते हुए गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। धमकी भरे ईमेल के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, वकीलों, कर्मचारियों और अन्य लोगों को तुरंत परिसर से बाहर निकाला गया।

न्यायालय की सुनवाई स्थगित कर दी गई। बम निरोधक दस्ता, खोजी कुत्तों के साथ मौके पर पहुंचा और पूरे परिसर की बारीकी से तलाशी शुरू की। इस तलाशी के दौरान किसी भी तरह के विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु का पता नहीं चला है। दिल्ली हाई कोर्ट के जॉइंट सेक्रेटरी, एडवोकेट कुणाल ने कहा, बम की धमकी झूठी लग रही है, सब कुछ कंट्रोल में है। बम स्क्वॉड और स्निफर डॉग्स पूरे परिसर की जांच कर रहे हैं। अभी कोई खतरा नहीं है। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

खनन विधेयक पर पुनर्विचार करे केंद्र: सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर खान एवं खनिज संशोधन विधेयक 26 से राज्य के राजस्व पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 24-25 में राज्य के गैर-कर राजस्व में खनन की हिस्सेदारी 84.9 प्रतिशत रही है। ऐसे में इस राजस्व पर किसी भी रोक से राज्य की विकास और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं सीधे तौर पर प्रभावित होंगी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 026 पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

सोरेन ने प्रधानमंत्री से कहा कि राज्य के शुल्क पर प्रतिबंध से झारखंड की वित्तीय क्षमता काफी प्रभावित हो सकती है और इससे खनन के सामाजिक एवं पर्यावरणीय दुष्प्रभावों से निपटने की राज्य की क्षमता कम हो सकती है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में सोरेन ने कहा कि

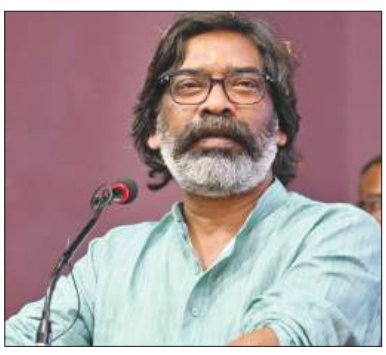

राज्य आर्थिक सर्वेक्षण 25-26 के अनुसार, वित्त वर्ष 024-25 में खनन से मिलने वाला राजस्व झारखंड के अपने गैर-कर राजस्व का 84.9 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि मिनरल बेयरिंग लैंड सेस से सालाना लगभग 7,110 करोड़ रुपये की कमाई होने का अनुमान है और खनिज से जुड़ा राजस्व राज्य की वित्तीय व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सोरेन ने कहा, इस

» सीएम ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

राजस्व पर किसी भी तरह की बड़ी रोक झारखंड की विकास, कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को जारी रखने की क्षमता को सीधे प्रभावित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की खनिज संपदा का आकलन उन भारी लागतों के साथ किया जाना चाहिए, जिन्हें राज्य और यहां के लोगों को उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि दशकों से बड़े पैमाने पर हो रहे खनन के कारण विस्थापन, पर्यावरण को नुकसान, प्रदूषण, स्थानीय बुनियादी ढांचे पर दबाव और पारंपरिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्थाओं में व्यवधान जैसी समस्याएं पैदा हुई हैं। सोरेन ने कहा कि झारखंड ने अपनी खनिज संपदा के माध्यम से देश के औद्योगिकीकरण, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने विजय सरकार को दी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम विजय ने सितंबर 25 में करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति देने की घोषणा की गई थी। मद्रास हाईकोर्ट ने इसे अनुकंपा नियुक्तियों से जुड़े स्थापित कानूनी सिद्धांतों के खिलाफ बताया था और इसे रद्द कर दिया था। मद्रास हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी है।

मद्रास हाई कोर्ट ने भगदड़ पीड़ितों के परिवारों को दी गई अनुकंपा नियुक्तियों को असंवैधानिक करार दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य सरकारी कर्मचारी की सेवा के दौरान मृत्यु होने पर परिवार को तुरंत आर्थिक राहत देना है। इसे किसी सार्वजनिक त्रासदी के बाद सामान्य पुनर्वास उपाय के रूप में नहीं माना जा सकता।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा अस्पताल में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को बेचैनी के बाद दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया। उनकी कोरोनरी एंजियोग्राफी सहित कई जांचें की गईं।

एम्स ने बताया है कि नड्डा की हालत स्थिर है और कार्डियोलॉजी विभाग में निगरानी के लिए रखा गया है।

एनएएलएसएआर विवाद में बार काउंसिल के आदेश पर भड़के सीजेआई

यह मेरे और छात्रों के बीच का मामला है : सूर्यकांत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी विवाद पर एक बेहद अहम और कड़ा बयान दिया है। अदालत ने साफ किया है कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई को इसमें दखल देने का कोई हक नहीं है।

हैदराबाद की प्रतिष्ठित एनएएसएलएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 26 बैच के सभी छात्रों के अधिवक्ता के रूप में नामांकन पर रोक लगाने वाले आदेश ने कानूनी बिरादरी में तीखी बहस छेड़ दी। हालांकि बार काउंसिल ने अपना फैसला बदलते हुए पूरे बैच को राहत दे दी। हम आपको बता दें कि इस विवाद की शुरुआत 23 जुलाई को हुई, जब अंतिम वर्ष के छात्रों ने कुलपति, रजिस्ट्रार और शिक्षकों को पत्र लिखकर दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को आमंत्रित करने पर आपत्ति जताई। बाद में अन्य बैचों के छात्रों ने भी इस प्रतिनिधित्व का समर्थन किया।

बीसीआई जैसी बाहरी संस्थाएं बीच में दखल देने वाली कौन : सूर्यकांत

मामले में सीजेआई सूर्यकांत ने बीसीआई के उस सर्कुलर पर गहरी नाराजगी जताई, जिसमें 26 बैच के एनएएलएसएआर लॉ यूनिवर्सिटी के छात्रों के वकालत के रूप में रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाई गई थी। सीजेआई ने सख्त लहजे में कहा कि यह मामला मेरे और छात्रों के बीच की बातचीत का है, इसमें बीसीआई जैसी बाहरी संस्थाएं बीच में दखल देने वाली कौन होती है?

सर्वोच्च न्यायालय ने बीसीआई से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बीसीआई से जवाब मांगा है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह साफ निर्देश दिए हैं कि एनएएलएसएआर के किसी भी छात्र या प्रोफेसर के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। बता दें कि हाल ही में कानूनी शिक्षा और वकीलों की नियति तय करने वाली संस्था बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने एक ऐसा आदेश जारी किया था, जिसने पूरे देश के कानूनी गलियारों में हलचल मचा दी थी।

सीजेआई सूर्यकांत के बयान से छात्रों को थी आपत्ति

छात्रों की आपत्ति सीजेआई सूर्यकांत की उस टिप्पणी से जुड़ी थी, जो 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शन के दौरान कथित पुलिस ज्यादती से संबंधित याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आई थी। जब याचिकाकर्ता के वकील ने पुलिस कार्रवाई के वीडियो फुटेज दिखाने की पेशकश की, तो पीठ की ओर से कथित तौर पर कहा गया कि पीठ वीडियो देखने में रुचि नहीं रखती। छात्रों ने इसे पुलिस ज्यादती के गंभीर आरोपों के प्रति असंवेदनशील रवैया बताया और कहा कि ऐसे व्यक्ति से डिग्री लेना उनके विवि में सीखे मूल्यों के साथ असहज स्थिति पैदा करता है।

चमोली टनल हादसा सात जिंदगियां खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा नदी पर बन रही विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की सुरंग में गुरुवार की शाम भारी भूस्खलन हो गया। हादसे में सात शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि तीन लोग अब भी सुरंग में लापता है। घटना के दूसरे दिन शुक्रवार को तड़के ही राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

मौके पर जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आइटीबीपी व सेना समेत अन्य टीम मौजूद हैं। वहीं आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पीपल कोटी पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लेने टनल के अंदर पहुंचे। सुरंग में ग्रेविटी पर पैकिंग का कार्य चल रहा था। इस दौरान अंदर जोरदार धमाका हुआ और पानी के साथ भारी मलबा सुरंग में भरने लगा। घटना गुरुवार शाम पौन सात बजे के आसपास हुई। इस दौरान 28 श्रमिक सुरंग में काम कर रहे थे। ज्यादातर श्रमिक बिहार, झारखंड व छत्तीसगढ़ के हैं। इनमें से छह श्रमिक हादसे के दौरान राहत-बचाव कार्य में जुट गए थे। जबकि सात लोगों के शव निकल लिए गए। तीन लोग अब भी लापता हैं।

राहुल गांधी को 'सुप्रीम' राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को यूपी में दर्ज आपराधिक मानहानि के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शुक्रवार को इस मामले को रद्द कर दिया। इस निजी क्रिमिनल शिकायत में कांग्रेस सांसद पर वीडी सावरकर को बदनाम करके सांप्रदायिक अशांति फैलाने का आरोप लगाया गया था।

दरअसल राहुल गांधी ने ट्रायल कोर्ट के उस समन आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें आईपीसी की धारा 153ए (समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 505 के तहत अपराधों के लिए ट्रायल का सामना करने को कहा गया था। इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा कार्यवाही को रद्द करने से इनकार करने के बाद राहुल गांधी सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। मामले पर शुक्रवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस दत्ता ने पूछा कि क्या राज्य सरकार ने केस चलाने की मंजूरी दी है. इस पर राज्य की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने जवाब दिया कि नहीं कोई मंजूरी नहीं दी गई।

अवॉर्ड छिनते ही बैकफुट पर आए भाजपा सांसद अनंत महाराज

नेताजी पर विवादित टिप्पणी पड़ी भारी, मांगी माफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता । नेताजी सुभाषचंद्र बोस को लेकर लगातार की जा रही कथित अपमानजक टिप्पणियों के मामले में आखिरकार भाजपा के राज्यसभा सदस्य व कूचबिहार के राजवंशी नेता नागेंद्र नाथ राय उर्फ अनंत महाराज ने माफी मांग ली है।

राज्य सरकार द्वारा गुरुवार को उनसे बंग विभूषण सम्मान वापस लिए जाने के बाद देर रात उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर अपने बयान पर खेद जताया।वीडियो संदेश में अनंत महाराज ने नेताजी के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि बोस के संबंध में मेरे अनिच्छित कुछ बयानों से किसी को मानसिक रूप से कोई आघात पहुंचा हो तो उसके लिए मैं हृदय से दुखी हूं। मालूम हो कि हाल के दिनों में नेताजी सुभाषचंद्र बोस को लेकर उनके बयानों पर राज्य में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नेताजी के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक बातें और प्रचार बंद करने को लेकर बुधवार को कड़ी चेतावनी दी थी। गुरुवार को राज्य सरकार ने अनंत महाराज से बंग विभूषण सम्मान वापस ले लिया था। इसके बाद रात में अनंत महाराज का माफी मांगते हुए वीडियो सामने आया। अनंत महाराज को पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार ने इस साल फरवरी में बंग विभूषण अवार्ड दिया था।

पुलिस ने की कार्रवाई

मुख्यमंत्री की चेतावनी के बाद नेताजी के संबंध में आपत्तिजनक सामग्री इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किए जाने के मामले में पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार भी किया है। एक आरोपित के इंटरनेट मीडिया खाते से पुलिस ने 100 से अधिक पोस्ट भी हटाने को कहा।

हल्द्वानी प्रकरण के आरोपियों को जेल भेजे सरकार : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । बसपा सुप्रीमो मायावती ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद मंच को शुद्धीकरण मामले को अतिचिंतनीय और निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए और दोषियों को सख्त कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाना चाहिए।

उन्होंने एक्स पर कहा कि उत्तराखंड स्टेट के हल्द्वानी में अभी हाल ही में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के हुए प्रोग्राम के बाद उनके मंच का दलित होने की वजह से शुद्धीकरण किया गया है।

बादल पर हमला अति-दुःखद व चिन्तनीय

इसके इलावा, अभी हाल ही में महाराष्ट्र के नान्देड़ में शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर किये गये हमले की घटना भी अति-दुःखद व चिन्तनीय है। केन्द्र व महाराष्ट्र की सरकार इस घटना को पूरी गंभीरता से लेते हुये दोषियों के विरुद्ध सख्त क़ानूनी कार्रवाई करें।

यह जानकारी कल संसद के जरिये भी देश को मिली है। यह मामला अतिनिन्दनीय व चिन्तनीय है तथा वहां की सरकार बिना कोई देरी किये हुये ऐसे जातिवादी एवं सामन्ती तत्वों के विरुद्ध सख्त कानूनों के तहत उचित कार्रवाई करके उन्हें जेल भेजे। उन्होंने आगे कहा कि इस घटना के सम्बंध में आरएसएस के मुखिया को भी संज्ञान लेकर जरुर गंभीरता से सोचना चाहिये जो कि दलितों के आर्थिक तौर पर थोड़ा मजबूत हुये लोगों को आरक्षण से वंचित करने की बात कर रहें हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा